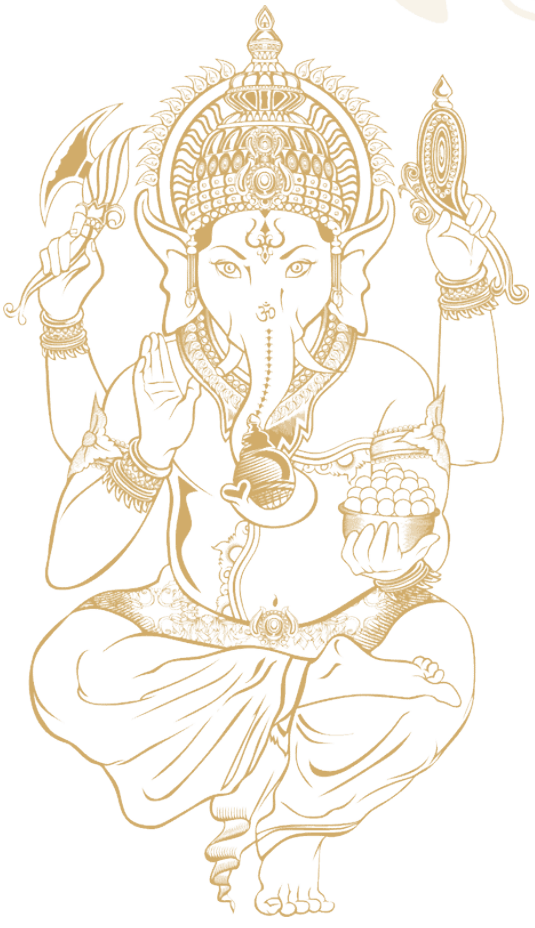

Mr.r Kukreja

Ms.nirali

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119178104

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19-20/12/1994	जन्म तिथि	14/03/1997
सोम-मंगलवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 06:34:00	जन्म समय	21:45:00 घंटे
घटी 58:33:20	जन्म समय(घटी)	38:01:20 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Panipat
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	29:24:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	76:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:22:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:08:39	सूर्योदय	06:33:36
17:28:04	सूर्यास्त	18:29:35
23:47:24	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:05

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 9वर्ष 0मा 4दि		25:21:51	वृश्चि	लग्न	तुला	13:30:55	चन्द्र 6वर्ष 6मा 1दि	
बुध		04:07:06	धनु	सूर्य	मीन	00:18:34	राहु	
24/12/2022		25:49:26	मिथु	चंद्र	वृष	14:39:34	15/09/2010	
24/12/2039		07:42:54	सिंह	मंगल व	कन्या	03:59:09	15/09/2028	
बुध	22/05/2025	07:26:31	धनु	बुध	मीन	03:12:44	राहु	28/05/2013
केतु	19/05/2026	08:28:41	वृश्चि	गुरु	मक	17:52:22	गुरु	22/10/2015
शुक्र	19/03/2029	20:02:21	तुला	शुक्र	कुंभ	25:32:16	शनि	28/08/2018
सूर्य	23/01/2030	13:18:02	कुंभ	शनि	मीन	14:24:21	बुध	16/03/2021
चन्द्र	25/06/2031	20:11:35	तुला व	राहु	कन्या	04:56:01	केतु	04/04/2022
मंगल	21/06/2032	20:11:35	मेष व	केतु	मीन	04:56:01	शुक्र	04/04/2025
राहु	08/01/2035	01:00:46	मक	हर्ष	मक	13:27:11	सूर्य	26/02/2026
गुरु	15/04/2037	28:20:37	धनु	नेप	मक	05:30:52	चन्द्र	28/08/2027
शनि	24/12/2039	05:19:20	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	11:46:26	मंगल	15/09/2028

लग्न-चलित

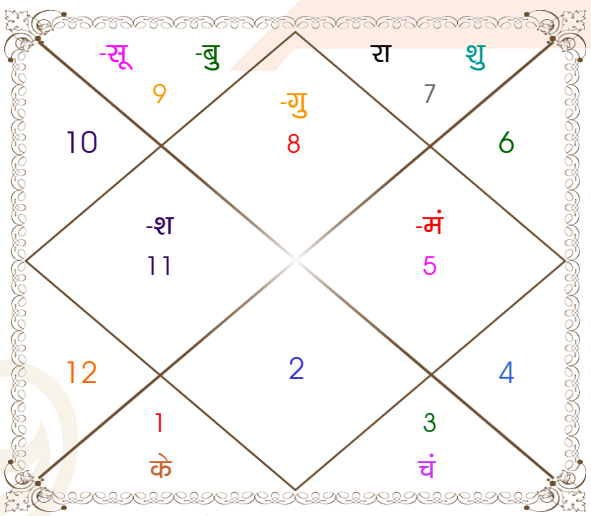

लग्न-चलित

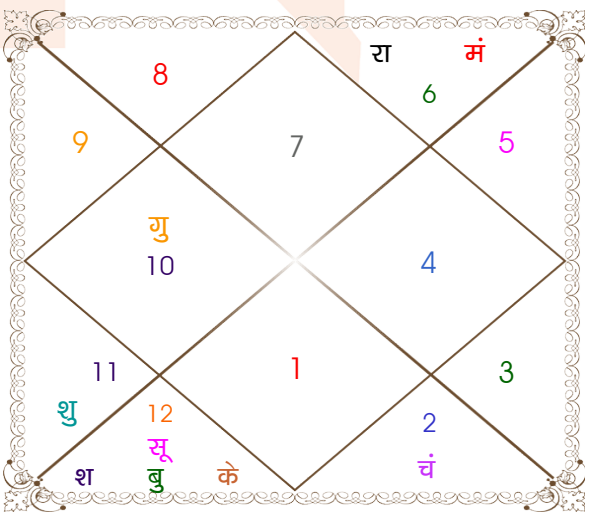

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	सर्प	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण्त ज्ञनातमरं का वर्ग मार्जार है तथा Ms.nirali का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्त ज्ञनातमरं और Ms.nirali का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्त ज्ञनातमरं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Ms.nirali मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.nirali कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ms.nirali कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु डतण्त ज्ञनातमरं कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्त ज्ञनातमरं तथा Ms.nirali में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।